मुख्य संरक्षण	:	अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश।
संरक्षण	:	डॉ० वेदपति मिश्र, राज्य परियोजना निदेशक, उ०प्र० सभी के लिए शिक्षा परियोजना परिषद्, लखनऊ।
निर्देशन	:	डॉ० सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, उ०प्र०, लखनऊ।
समन्वयन	:	श्री आनन्दकर पाण्डेय, प्राचार्य, राज्य शिक्षा संस्थान, उ०प्र०, इलाहाबाद।
परामर्श	:	प्रो० के०सी० त्रिपाठी, अध्यक्ष, भाषा शिक्षा विभाग, एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली, श्री विश्वकान्त शुक्ल, इलाहाबाद, उषा शर्मा, एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली, डॉ०करुणेश शर्मा, साक्षी दुनिया, लखनऊ, पूर्वी मदहाल।
समीक्षा	:	श्री अमरेन्द्र सिंह, पाठ्यपुस्तक अधिकारी, उ०प्र०, गौतम मिश्र, शोध प्राध्यापक, राज्य शिक्षा संस्थान, उ०प्र०, इलाहाबाद।
लेखन एवं सम्पादन	:	श्रीमती गीतम मिश्र, श्रीमती मंजुलेश विश्वकर्मा, डॉ० शीला सिंह, अजय यादव, डॉ० अशीष यादव, श्री सुदर्शन यादव, डॉ० बृजेन्द्र कुमार त्रिपाठी, डॉ० सरिता पाण्डेय
कम्प्यूटर ले-आउट	:	राजेश कुमार यादव।
चित्रांकन	:	रजनीश कुमार सिंह सोमवंशी, चुन्नीलाल पांचाल, ऋतुराज राणा।
आभार	:	पाठ्यपुस्तक के विकास में विभिन्न संस्थाओं की पाठ्य-सामग्री/साहित्य का उपयोग किया गया है। हम उन सभी के प्रति आभारी हैं।

प्रकाशक	:	
मुद्रक	:	
संस्करण	:	संशोधित संस्करण
शिक्षा सत्र	:	2018–19
मुद्रित प्रतियों की संख्या	:	

आन्तरिक पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरण: प्रयुक्त कागज मिल ______________ वर्जिन पल्प युक्त कागज बैम्बू अथवा वुड बेस्ड (Bamboo or wood based) के अतिरिक्त अन्य एग्रो बेस्ड (Agro based) आधारित कागज पर आधारित एवं ब्रीग लैस एण्ड ऑनलाईन पेपर 70 जी.एस.एम. भार तथा प्रत्येक पृष्ठ मिल के वाटरमार्क युक्त आकार 50.8 सेमी. X 76.2 सेमी का है। कागज की ब्राइटनैस न्यूनतम 80 प्रतिशत, वन मिनट कॉब टेस्ट की अधिकतम औसत 22, ब्रेकिंग लेन्थ क्रॉस डायरेक्शन 1700, मशीन डायरेक्शन 2900, ओपेसिटी न्यूनतम–85 प्रतिशत एवं रजिस्टेन्स टू पेंकरिंग–टू पास द टेस्ट, टियर इन्डेक्स सी0डी0 4.0 एवं एम0डी0 3.5 है। प्रयुक्त होने वाला कागज में अन्य विशिष्टियाँ बी0आई0एस0 कोड–1848 (चौथा पुनरीक्षण) के अनुसार हैं।

पुस्तकों में प्रिन्ट साइज: 16.8 सेमी. X 22.1 सेमी., ट्रिम साइज : 18.41 सेमी. X 24.13 सेमी. है।

प्राक्कथन

बच्चे राष्ट्र के भावी कर्णधार हैं। उन्हें इस गुरुतर दायित्व के निर्वहन हेतु तैयार करने तथा अपेक्षित ज्ञान व कौशलों से परिपूर्ण बनाने में शिक्षा की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। आज वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास के कारण जीवन के सभी क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं। प्रदेश के बच्चे राष्ट्रीय विकास के साथ–साथ वैश्विक विकास के सहभागी और संवाहक बनें, इसके लिए शिक्षा के सभी पहलुओं में समय सापेक्ष अपेक्षित परिवर्तन आवश्यक है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 तथा उ0प्र0 राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2013 के आलोक में प्राथमिक/उच्च प्राथमिक स्तरीय पाठ्यक्रम का पुनर्निर्माण तथा विकास किया गया है। नव विकसित पाठ्यक्रम के आलोक में पाठ्यपुस्तकों का विकास राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, उ0प्र0 तथा इसकी अधीनस्थ इकाइयों द्वारा किया गया है। पाठ्यपुस्तकों के विकास में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली, विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों तथा संबंधित विषय–विशेषज्ञों की सहायता ली गई है। उद्देश्य यह है कि पाठ्यपुस्तकें पाठ्यक्रम में निर्धारित दक्षताओं और कौशलों को कक्षा में सिखाने में सहायक सिद्ध हों व सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को सहज, सरल, रुचिपूर्ण तथा सुगम बनाया जा सके।

प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक में इस विषय का पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन, QR Code (Quick Response Code) तथा शिक्षण–अधिगम परिणाम (लर्निंग आउटकम) सम्मिलित हैं। पाठ्यपुस्तक में पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन सम्मिलित करने का उद्देश्य यह है कि विषयवस्तु के साथ ही सम्पूर्ण शैक्षिक सत्र में पढ़ाए जाने वाले बिंदुओं की विस्तृत जानकारी शिक्षक के समक्ष उपलब्ध रहे। पुस्तकों में समाहित QR Code की सहायता से शिक्षक पाठ्यपुस्तक में दी गई विषयवस्तु के अतिरिक्त टेक्स्ट, ऑडियो एवं वीडियो के रूप में उपलब्ध डिजिटल पाठ्य सामग्री को ऑनलाइन देखकर शिक्षण में उसका प्रभावी प्रयोग करने में सक्षम होंगे। सीखने की प्रक्रिया में माता–पिता, शिक्षक तथा बच्चों की सम्मिलित भागीदारी को दृष्टिगत रखते हुए पुस्तक के प्रारंभ में शिक्षण–अधिगम परिणाम (लर्निंग आउटकम) सम्मिलित किए गए हैं। इनके आलोक में शिक्षक, छात्र–छात्राओं की प्रगति का आकलन करें तथा शिक्षण–प्रक्रिया का आयोजन इस प्रकार करें कि सभी बच्चे सीखने के अपेक्षित स्तर को प्राप्त कर सकें। इनके माध्यम से यह जानना संभव होगा कि बच्चों ने क्या सीखा।

पाठ्यपुस्तकें संबंधित विषय को सीखने–सिखाने का महत्वपूर्ण साधन हैं। अतः पुस्तकों में विषयवस्तु, गतिविधियों, चित्रों, अभ्यासों आदि में विविधता का ध्यान रखते हुए यह प्रयास किया गया है कि बच्चे अपने परिवेशीय संदर्भों व अनुभवों का उपयोग करते हुए स्वयं सक्रिय रह कर सीखने में आनंद ले सकें। उनमें चिंतन, तर्क, खोजबीन, कल्पना करने, अनुमान लगाने, समस्या समाधान, निर्णय लेने के कौशलों का विकास हो सके तथा उन्हें स्वयं के विचारों व भावनाओं को स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्त करने का भरपूर अवसर मिल सकें, जिससे उनके लिए सीखना सरल, रुचिकर एवं स्वाभाविक प्रक्रिया बन सके।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् उ0प्र0 तथा प्राचार्य, राज्य शिक्षा संस्थान, उ0प्र0, इलाहाबाद और उनके सहयोगी विशेष बधाई के पात्र हैं जिन्होंने अथक परिश्रम तथा मनोयोग से पाठ्यपुस्तकों का परिमार्जन कर उसे नये कलेवर में प्रस्तुत किया है। उ0प्र0 सभी के लिए शिक्षा परियोजना परिषद् तथा सभी विशेषज्ञ व शिक्षाविद्, जिनके सहयोग से इस पाठ्यपुस्तक को वर्तमान स्वरूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, उनके लिए हम कृतज्ञ हैं। पाठ्यपुस्तक अधिकारी तथा उनके सहयोगी भी बधाई के पात्र हैं, जिनके अथक परिश्रम से पाठ्यपुस्तकें छात्र–छात्राओं के लिए उपलब्ध हो रही हैं। यह विश्वास है कि पाठ्यपुस्तकें कक्षा में छात्र–छात्राओं की सम्प्राप्ति का अपेक्षित स्तर विकसित करने में सहायक सिद्ध होंगी।

अप्रैल, 2018

शिक्षा निदेशक (बेसिक)
एवं
अध्यक्ष, उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद् ।

पाठ्यक्रम

घर– परिवार, परिवेश, पशु–पक्षियों, घरेलू उपयोग की वस्तुओं के संस्कृत नामों से परिचित कराना।

दैनिक जीवन में होने वाली क्रियाओं– पठ्, लिख्, गम्, हस् आदि का प्रयोग सिखाना।

गीतों /सुभाषितों/नीतिपरक वाक्यों का सस्वर गान कराना।

अप्रैल	• वन्दना (सरस्वती वन्दना)
	• प्रथमः पाठः– गन्त्री (बालगीत)
मई	• द्वितीयः पाठः– चित्रपाठः १
	• तृतीयः पाठः– चित्रपाठः २
जून	
जुलाई	• पुनरावृत्ति
	• चतुर्थः पाठः– चित्रपाठः ३
	• पञ्चमः पाठः– चित्रपाठः ४
अगस्त	• षष्ठः पाठः– वार्तालापः
	• सप्तमः पाठः–चित्रपाठः ५

सितम्बर	• अष्टमः पाठः– मम परिवारः
	• नवमः पाठः– मेलकम् (बालगीत)
अक्टूबर	• दशमः पाठः – दिनचर्या
	• पुनरावृत्ति एवं अभ्यास
नवम्बर	• एकादशः पाठः– बसयानम्
	• द्वादशः पाठः–विद्या (गीत)
दिसम्बर	• त्रयोदशः पाठः– विद्यालय– परिवेशः
जनवरी	• चतुर्दशः पाठः–राष्ट्रिय– प्रतीकानि
	• पञ्चदशः पाठः – सुभाषितानि
फरवरी	• षोडशः पाठः– लघुः अपि सहायकः
	• पुनरावृत्ति एवं अभ्यास
मार्च	• पुनरावृत्ति

बच्चे संस्कृत के सरल शब्दों से परिचित हो सकेंगे। संस्कृत भाषा के प्रति उनकी रुचि बढ़ेगी। घर–परिवार, परिवेश, पशु–पक्षियों आदि के नाम संस्कृत में जान सकेंगे। हिन्दी के शब्दों को संस्कृत भाषा में समझ व लिख सकेंगे।

शिक्षण सम्बन्धी परिणाम (Learning Outcomes)

- संस्कृत गीतों, श्लोकों एवं सुभाषितों को सुनकर हाव–भाव के साथ सस्वर वाचन कर लेते हैं।
- चित्रों के माध्यम से पशु–पक्षियों आदि के नाम को संस्कृत में बता लेते हैं।
- शब्द के अन्त में विसर्ग एवं अनुस्वार लगाकर संस्कृत शब्द बना लेते हैं।
- एषः, एषा, एतत् एवं कः, का, किम् शब्दों के अर्थ समझते हैं।
- अभिवादन हेतु सरल संस्कृत शब्दों का प्रयोग कर लेते हैं।
- एकवचन के कर्ता के साथ एकवचन की क्रिया तथा ऐसे ही अन्य वचनों के कर्ता व क्रिया को जोड़कर वाक्य बना लेते हैं।
- बहुवचन कर्ता के साथ बहुवचन की क्रिया का प्रयोग करके वाक्य बना लेते हैं।
- माता–पिता, दादा–दादी, भाई के नाम संस्कृत में बता लेते हैं।
- संस्कृत के सरल वाक्यों को पढ़ एवं लिख लेते हैं।
- अपनी दिनचर्या को बता पाते हैं।
- चित्रों को देख व पढ़कर कहानी को अपने शब्दों में सुना लेते हैं।
- दैनिक जीवन में नैतिक मूल्यों को अपना रहे हैं।

सरस्वती - वन्दना

देवि सरस्वति! तव पदकमलम्।
अहं नमामि वयं नमामः।।
मातः देहि सद्गुणज्ञानम्।
अहं नमामि वयं नमामः।।
देवि शारदे! तव सन्निकटे।
अहं पठामि वयं पठामः।।

शिक्षण संकेत

- पाठ का सस्वर वाचन करें और बच्चों से कराएँ।

प्रथमः पाठः

गन्त्री (गाड़ी)

गन्त्री गच्छति गाड़ी जाती
अग्रे गच्छति आगे जाती
पृष्ठे गच्छति पीछे जाती
उच्चैः गच्छति ऊँचे जाती
नीचैः गच्छति नीचे जाती
गन्त्री गच्छति गाड़ी जाती।।

मन्दं गच्छति धीरे जाती
शीघ्रं गच्छति जल्दी जाती
वक्रं गच्छति टेढ़ी जाती
सरलं गच्छति सीधी जाती
गन्त्री गच्छति गाड़ी जाती
गन्त्री गच्छति गाड़ी जाती।।

—पं० वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

शिक्षण संकेत

- कविता को बच्चों के साथ गाएँ और सुनें।
- बच्चों को पहले से याद कविताओं/गीतों को सुनाने के लिए प्रेरित करें।

चित्रपाठः 1
BGEMGV
पत्रम्
चटका
दोला
कृषकः
वृषभः
खट्वा
कृषिका
मार्गम्
गृहम्
घटः
गौः
पुरुषः
कुक्कुरः

शिक्षण संकेत- पाठ में प्रदर्शित चित्रों के बारे में बच्चों से चर्चा करें एवं उनके संस्कृत नामों को पढ़ने एवं बोलने में सहयोग करें।
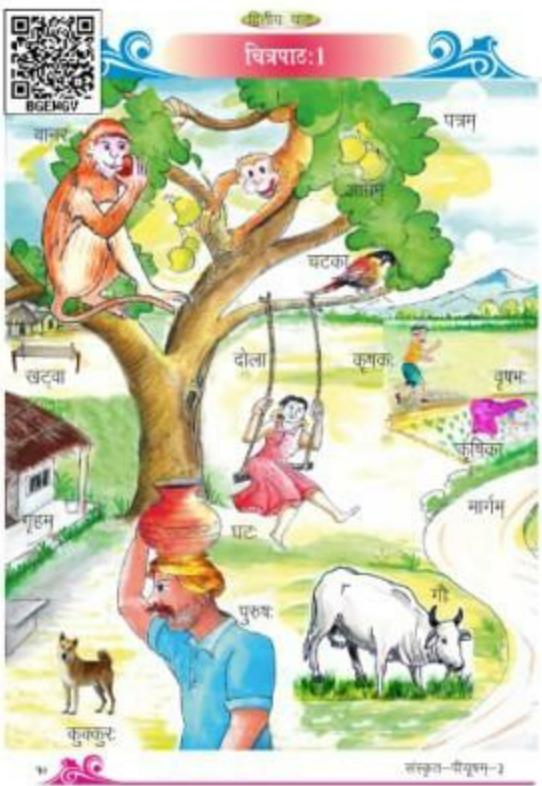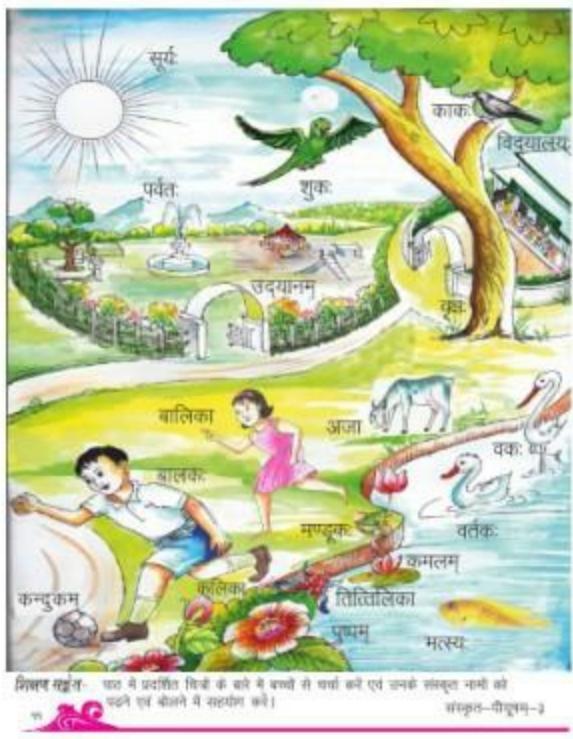
अभ्यास

१. चित्रों को देखकर नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए–

१. चित्र के नीचे सही शब्द छाँटकर लिखिए–

....

२. चित्र और शब्द के सही जोड़े बनाइए–

३. पशु–पक्षियों के नामों को छाँटकर अलग–अलग लिखिए–

अजा, शुकः, कुक्कुरः, गौः, वकः, काकः, चटका, वानरः, वृषभः।

पशुः	पक्षी
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

४. उदाहरण के अनुसार शब्दों को पूरा कीजिए–

वा न रः, प _ म्, चट _, ह _ म्,

पुरु _ :, वृ _ भः, आ _ म्, बाल _ :।

५. शब्दों के हिन्दी अर्थ लिखिए–

वानरः, फलम्, बालिका, कलिका, मण्डूकः।

आम्रम् = आम का फल **चटका** = गौरैया **दोला** = झूला **पत्रम्** = पत्ता
शुकः = तोता **काकः** = कौआ **कृषकः** = किसान **कृषिका** = किसान स्त्री
वकः = बगुला **कन्दुकः** = गेंद **वर्तकः** = बतख **मत्स्यः** = मछली
कलिका = कली, **मण्डूकः** = मेढक **कुक्कुरः** = कुत्ता **गृहम्** = घर
वृक्षः = पेड़ **वृषभः** = बैल **खट्वा** = चारपाई = तितली।

शिक्षण संकेत

- चित्रकार्डों के माध्यम से परिवेश की अन्य वस्तुओं एवं पशु–पक्षियों के संस्कृत नामों की पहचान कराएँ।

तृतीयः पाठः

चित्रपाठः २

एषः कः ?
एषः मयूरः ।

एषः कः ?
एषः मूषकः ।

एषः कः ?
एषः अश्वः ।

एषः कः ?
एषः सिंहः ।

एषः कः ?
एषः घटः ।

एषः कः ?
एषः सैनिकः ।

अभ्यास

१. चित्रों को देखकर शब्दों को पढ़िए–

आलुकः
मकरः
बिडालः
शशकः

२. कक्षा के उन बच्चों के नामों के साथ विसर्ग (:) लगाकर बोलिए, जिनके नामों के अन्त में अ की ध्वनि आती है, जैसे–सुरेश=सुरेशः, केशव=केशवः

१. चित्र और शब्द के सही जोड़े बनाइए–

२. सही शब्द चुनकर चित्र के नीचे लिखिए–

मयूरः = मोर **मूषकः** = चूहा **अश्वः**=घोड़ा **बिडालः** =बिल्ली **आलुकः** = आलू
शशकः = खरगोश **चिकित्सकः** = डॉक्टर **घटः** = घड़ा **भल्लूकः** = भालू।

शिक्षण संकेत

- विसर्गयुक्त शब्दों के उच्चारण का अभ्यास करायें एवं विसर्ग लगाकर संस्कृत शब्द बनवायें।

चतुर्थः पाठः

चित्रपाठः ३

एषा का ?	एषा का ?	एषा का ?
एषा घटिका।	एषा माला।	एषा नौका।
एषा का ?	एषा का ?	एषा का ?
एषा आसन्दिका।	एषा पिपीलिका।	एषा मञ्जूषा

अभ्यास
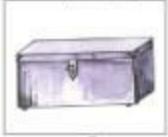
१. चित्रों को देखकर नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए–

कपिला   मापिका   शिक्षिका   वीणा

२. कक्षा में उन छात्राओं के नामों को बोलिए जिनके नाम के अन्त में 'आ' (ा) आता हो, जैसे– वसुधा, आशा, गीता, सलमा, ...

१. सही शब्द छाँटकर चित्र के नीचे लिखिए–

मक्षिका चटका खट्वा स्थालिका कलिका सरिता

२. चित्र और शब्द के सही जोड़े बनाइए–

घटिका = घड़ी **नौका** = नाव **आसन्दिका** = कुर्सी **पिपीलिका** = चींटी
मञ्जूषा =बक्सा **कपिला** = गाय **मापिका** =पटरी(स्केल) **स्थालिका**= थाली।

शिक्षण संकेत

- बच्चों से ऐसे कुछ नामों की सूची बनवाएँ जिनके नाम के अंत में 'आ' (ा) आता हो।

चित्रपाठ: ४
एतत् किम् ?
एतत् छत्रम्।
एतत् किम् ?
एतत् पात्रम्।
एतत् किम् ?
एतत् संगणकम्।
एतत् किम् ?
एतत् शीतकम्।
एतत् किम् ?
एतत् उपनेत्रम्।
एतत् किम् ?
एतत् जलयानम्।
अभ्यास
१. चित्रों को देखकर नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए–
मरीचम्
कदलीफलम्
द्वारम्
कारयानम्

२. शब्दों के अन्त में म् लगाकर पढ़िए–

मुख कमल जल द्वार पात्र

१. सही शब्द छाँटकर चित्र के नीचे लिखिए–

कलमम् नेत्रम् चक्रम् पुस्तकम् नलम् सेवम्

एतत् ....। एतत् ....। एतत् ....।

एतत् ....। एतत् ....। एतत् ....।

२. चित्र और शब्द के सही जोड़े बनाइए–

उद्यानम्

आम्रम्

पुष्पम्

जलम्

छत्रम् = छाता **पात्रम्** = बर्तन **संगणकम्** = कम्प्यूटर **उपनेत्रम्** = चश्मा
मरीचम्=मिर्चा **कदलीफलम्**=केला **शीतकम्**=रेफ्रिजरेटर **उद्यानम्**=बगीचा।

शिक्षण संकेत

- शब्दों के अन्त में म् जोड़कर संस्कृत शब्द बनवाएँ जैसे– कमलम्, मित्रम्।
- फलों, वस्तुओं आदि के चित्र दिखाकर स्वयं उनके संस्कृत नाम बोलें और बच्चे उसे दोहराएँ, जैसे– एष गजः। एषा लता। एतत् पुष्पम्।

षष्ठ पाठ

वार्तालापः

शिक्षण संकेत

- संस्कृत के छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा बच्चों को परस्पर अभिवादन एवं बातचीत करने का अभ्यास कराएँ।

चित्रपाठः ५

बालकः किं करोति?
बालकः पठति।

बालकाः किं कुर्वन्ति?
बालकाः पठन्ति।

बालिका किं करोति?
बालिका लिखति।

बालिकाः किं कुर्वन्ति?
बालिकाः लिखन्ति।

बालः किं करोति ?
बालः हसति।

बालाः किं कुर्वन्ति?
बालाः हसन्ति।

अभ्यास

१. वाक्यों को पढ़िए–

छात्रः पठति। वानरः खादति। गजः चलति। बालिका गच्छति।

१. चित्र के अनुसार सही क्रिया को छाँटकर नीचे लिखिए–

लिखति	लिखन्ति	पठति	चलति

बालकः ....। महिलाः ....। पुरुषः ....। गजः ....।

२. कोष्ठक में दी गई क्रियाओं में 'ति' जोड़कर वाक्य पूरा कीजिए–

जैसे– बालकः पठति। (पठ्)

क. बालः ....। (हस्)

ख. बालिका ....। (लिख्)

ग. छात्रः ....। (खाद्)

३. चित्र को देखकर उचित शब्दों का चयन करते हुए वाक्य बनाइए–

सूर्यः	नौका	जनाः	खगः

क. ....तरति।

ख. ....उदयति।

ग. ....कूजति।

घ. ....भ्रमन्ति।

करोति = करता/करती है, **पठन्ति** = पढ़ते/पढ़ती हैं। **बालः** = बच्चा
हसति = हँसता/हँसती है। **गजः**=हाथी **खगः** = पक्षी **जनाः**=बहुत से लोग।

शिक्षण संकेत

- अभिनय के माध्यम से क्रियाओं का बोध कराएँ तथा सरल वाक्य बनवाएँ।

अष्टमः पाठः

मम परिवारः

अहं सानिया।
अहं तृतीया–कक्षायां पठामि।

एषा मम माता अस्ति।
सा शिक्षिका अस्ति।

एषः मम पिता अस्ति।
सः कृषकः अस्ति।

एषः मम पितामहः अस्ति।
सः समाचारपत्रं पठति।

एषा मम पितामही अस्ति।
सा आपणात् शाकम् आनयति।

एषः मम भ्राता अस्ति।
सः कुशलः गायकः अस्ति।

१. शब्दों को पढ़िए–

मम, पितामहः, पितामही, मातामहः, मातामही, भ्राता, भगिनी।

१. अपने परिवार के सदस्यों के नाम लिखकर वाक्य पूरा कीजिए–

क. मम नाम .... अस्ति।
ख. श्री .... मम पिता अस्ति।
ग. श्रीमती ....मम माता अस्ति।
घ. श्री ....मम भ्राता अस्ति।
ङ कु0 / श्रीमती ....मम भगिनी अस्ति।
च. श्रीमती ....मम पितामही अस्ति।
छ. श्री .... मम पितामहः अस्ति।

२. सही जोड़े बनाइए–

भगिनी	दादी
भ्राता	दादा
पितामही	बहन
पितामहः	भाई

अहम् = मैं **मम** = मेरा, मेरी, मेरे, **पितामहः** = दादा **पितामही** = दादी
भ्राता = भाई **एषा, एषः** = यह = बहन = बाज़ार से।

शिक्षण संकेत
- बच्चों से उनके परिवार के सदस्यों के बारे में बातचीत करें।
- परिवार के सदस्यों के चित्रों का एलबम बनवाएँ जिस पर उनके नाम और बच्चों से उनका संबंध लिखा हो।
- अन्य संबंधियों के संस्कृत नाम भी बताएँ–
मातामहः = नाना, मातुलः=मामा, मातुली=मामी, अनुजः=छोटा भाई, अग्रजः=बड़ा भाई, अग्रजा=बड़ी बहन, अनुजा=छोटी बहन, आवुकः=फूफा, आवुत्ती=बुआ, पितृव्यः=चाचा, पितृव्याणी=चाची, मातामही= नानी, अम्बाली=मौसी, अम्बालः=मौसा।

नवमः पाठः

मेलकम्

बालाः चलन्ति मेलकम्
पश्यन्ति वायुलूनकम्।
खादन्ति तत्र मोदकम्
पिबन्ति जलं शीतलम् ।।
तिष्ठन्ति ते हिण्डोलकम्
गायन्ति तत्र गीतकम्।
खेलन्ति ते परस्परम्
मिलन्ति मित्रमण्डलम् ।।

शिक्षण संकेत- कविता का एक से अधिक बार सस्वर वाचन करें और कराएँ।

१. चित्रों को देखकर शब्दों को पढ़िए–

मुरली   नारिकेलम्   क्रीडनकम्   तुला

१. उदाहरण को देखकर वाक्य बनाइए–

क. बालाः चलन्ति मेलकम्।   ख. बालाः खादन्ति मोदकम्।

गजाः ——— ———।   मूषकाः ——— ——— ।

ग. बालकाः तिष्ठन्ति हिण्डोलकम्।   घ. वानराः पिबन्ति जलम् ।

बालिकाः ——— ———।   कपोताः ——— ———।

२. इस कविता में से ऐसे शब्द छाँटकर लिखिए जिनके अन्त में म् आया हो. जैसे– शीतलम् ...., ..., ..., ...।

३. चित्र और शब्द के सही जोड़े बनाइए–

हिण्डोलकम्
मोदकम्
वायुलूनकम्
आभूषणम्

शब्दार्थ

=मेला   =बच्चे   =देखते हैं   =गुब्बारा
=वहाँ   =लड्डू   ,=ठण्डा   `=वे   ,=झूला।

अपने गाँव–नगर में लगने वाले मेले में से कोई एक मेला जो आपने देखा है, उसके बारे में लिखिए।

दिनचर्या

शोभा प्रातः उत्तिष्ठति।

शोभा फेनिलेन हस्त–प्रक्षालनं करोति।

शोभा मुखं दन्तान् च क्षालनं करोति।

अनिलः स्नानं करोति।

शोभा भोजनं करोति।
अनिलः भोजनं करोति।

शोभा विद्यालयं गच्छति।
अनिलः विद्यालयं गच्छति।

शोभा अध्ययनं करोति।
अनिलः अध्ययनं करोति।

सायंकाले शोभा मित्रैः सह क्रीडति।

अभ्यास

१. वाक्यों को पढ़िए–

अमनः दन्तक्षालनं करोति। डेविडः स्नानं करोति। जया पठति। सलमा विद्यालयं गच्छति।

१. उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाइए–

रमा, छात्रः, अध्यापकः, माता

क. रमा हस्त–प्रक्षालनं करोति।
ख. ––– हस्त–प्रक्षालनं करोति।
ग. ––––– हस्त–प्रक्षालनं करोति।
घ. ––––– हस्त–प्रक्षालनं करोति।

२. उदाहरण के अनुसार वाक्य लिखिए–

क. शोभा क्रीडति।
ख. ––– ––––– ।
ग. ––– ––––– ।
घ. ––– ––––– ।

३. सुमेलित कीजिए–

स्नानं	खादति
मयूरः	हस्त–प्रक्षालनं करोति
फलं	करोति
फेनिलेन	नृत्यति

उत्तिष्ठति = उठती है/उठता है **हस्त–प्रक्षालनम्** = हाथ धोना
फेनिलेन = साबुन से **क्षालनं करोति** = धोती है/धोता है **सहः**= साथ
गच्छति = जाती है/जाता है **क्रीडति** = खेलती है/खेलता है।

शिक्षण संकेत
- बच्चों से उनकी दिनचर्या और शारीरिक स्वच्छता पर बातचीत करें।

एकादशः पाठः

बसयानम्

बसयानं बसस्थानम् आगच्छति।

जनाः बसयानात् अवतरन्ति।

जनाः बसयानम् आरोहन्ति।

जनाः बसयानेन गच्छन्ति।

अभ्यास
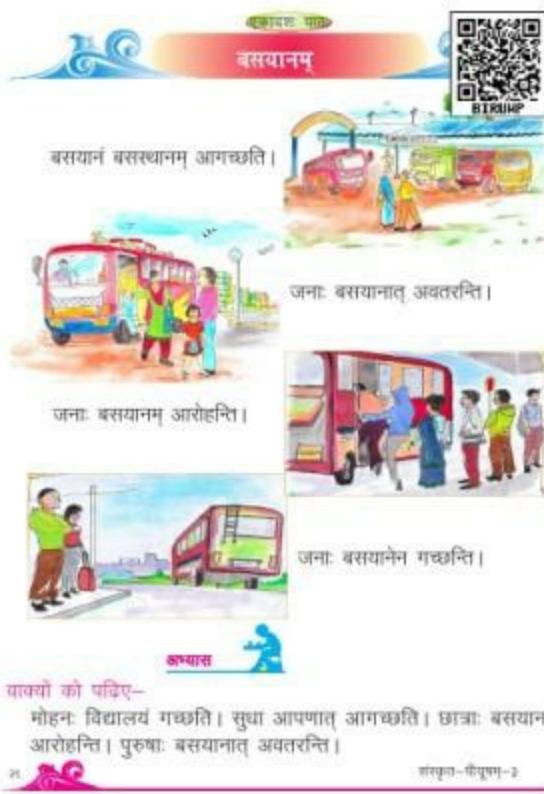
१. वाक्यों को पढ़िए–

मोहनः विद्यालयं गच्छति। सुधा आपणात् आगच्छति। छात्राः बसयानम् आरोहन्ति। पुरुषाः बसयानात् अवतरन्ति।

१. कोष्ठक में दिए गए यातायात के साधनों के अनुसार वाक्यों को पूर्ण कीजिए–

जैसे– जनाः बसयानेन गच्छन्ति। (बसयान)

क. जनाः .... गच्छन्ति। (वायुयान)

ख. जनाः .... गच्छन्ति। (रेलयान)

२. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

क. .... बसस्थानम् आगच्छति।

ख. जनाः .... आरोहन्ति।

ग. जनाः बसयानेन .... ।

३. चित्र और शब्द के सही जोड़े बनाइए–

रेलयानम्

कारयानम्

वायुयानम्

जलयानम्

आगच्छति = आती है, **अवतरन्ति** = उतरते हैं, **आरोहन्ति** = चढ़ते हैं।

शिक्षण संकेत

- बच्चों से यातायात के नियमों एवं सावधानियों पर चर्चा करें।
- यात्रा संबंधी उनके अनुभवों को सुनें।

विद्या

अभ्यास

१. कविता का सस्वर गान कीजिए।

१. विद्या किं किं ददाति–

क. .... ख. .... ग. ....

घ. .... ङ. .... च. ....

२. कविता की पंक्तियों को सही क्रम में लिखिए–

विद्या ददाति वृत्तिम् (१).. ।

विद्या ददाति सौख्यम् (२).. ।

मुदितं करोति चित्तम् (३).. ।

विद्या ददाति शक्तिम् (४).. ।

३. शब्दों को उनके उलटे अर्थ वाले (विलोम) शब्दों के साथ सुमेलित कीजिए–

ज्ञानम्	अपमानम्
सुखम्	अज्ञानम्
मानम्	दुःखम्

मानम् = सम्मान **ददाति** = देती है **वित्तम्** = धन **मुदितम्**= प्रसन्न
चित्तम्= मन **वृत्तिम्** = रोजगार या आजीविका **सौख्यम्** = सुख।

शिक्षण संकेत

- विद्या के महत्त्व को बताने वाली कविता और कहानियाँ बच्चों को सुनाएँ।
- विद्या का आशय साक्षरता के साथ–साथ कौशल भी है, इस बात को उभारें।

त्रयोदशः पाठः

विद्यालय-परिवेशः

अयं विद्यालयः। विद्यालये वृक्षाः सन्ति।

अध्यापकः छात्राः च पादपान् रोपयन्ति।

छात्रा पादपं सिञ्चति।

छात्रा श्यामपट्टे लिखति।

परिचारकः घासं निवारयति।

छात्रः अपशिष्ट–वस्तूनि उचित–स्थाने क्षिपति।

विद्यालये सौरऊर्जा विद्युत् अस्ति।

अभ्यास

१. वाक्यों को पढ़िए–

सौरऊर्जा स्वच्छा ऊर्जा अस्ति। सलीमः शौचालयस्य नित्यम् उपयोगं करोति। रमा व्यायामं करोति। मोहनः श्यामपट्टे लिखति।

१. उपयुक्त शब्दों को चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

क. विद्यालये .... सन्ति। (वृक्षाः/अजाः)
ख. छात्राः .... सिञ्चन्ति। (क्षेत्रं/पादपं)
ग. परिचारकः .... निवारयति। (घासं/पादपं)
घ विद्यालये .... ऊर्जा अस्ति। (सौर/विद्युत)

२. सुमेलित कीजिए–

क. वृक्षाः	साफ–सुथरा
ख. स्वच्छः	लिखता है
ग. लिखति	कूड़ा
घ. अपशिष्टम्	बहुत से पेड़

३. सही शब्द चुनकर चित्र के नीचे लिखिए–

श्यामपट्टः अपशिष्टपात्रम् पादपः विद्यालयः

....

....

....

....

सन्ति=हैं **पादपान्**=वृक्षों को **रोपयन्ति**=लगाते हैं **परिचारकः**=चपरासी **निवारयति**=हटाता है **अपशिष्टम्**=कूड़ा **क्षिपन्ति**=डालते हैं।

बच्चे अपने घर/विद्यालय में पौधे लगाएँ एवं उनकी देखभाल करें।

शिक्षण संकेत

- बच्चों को उनके घर/विद्यालय एवं पास–पड़ोस को स्वच्छ रखने हेतु प्रेरित करें।

चतुर्दशः पाठः

राष्ट्रिय-प्रतीकानि

इदं राष्ट्रियं ध्वजम् अस्ति।
ध्वजं त्रिवर्णम् अस्ति।
ध्वजे चक्रम् अस्ति।

इदं राज–चिह्नम् अस्ति।
चिह्ने चत्वारः सिंहाः सन्ति।
चिह्ने एकं चक्रम् अस्ति।

अयं व्याघ्रः अस्ति।
व्याघ्रः राष्ट्रियः पशुः अस्ति।
व्याघ्रः बलवान् अस्ति।

अयं मयूरः अस्ति।
मयूरः राष्ट्रियः पक्षी अस्ति।
मयूरः सुन्दरः पक्षी अस्ति।

इदं कमलम् अस्ति।
कमलं राष्ट्रियं पुष्पम् अस्ति।
कमलं सुन्दरं कोमलं च भवति।

१. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए–

ध्वजं त्रिवर्णम् अस्ति। व्याघ्रः राष्ट्रियः पशुः अस्ति।
मयूरः राष्ट्रियः पक्षी अस्ति। कमलं राष्ट्रियं पुष्पम् अस्ति।

१. सही विकल्प चुनकर लिखिए–

क. .... राष्ट्रियः पशुः अस्ति।
(१) गजः (२) व्याघ्रः (३) मृगः (४) अश्वः

ख. .... राष्ट्रियः पक्षी अस्ति।
(१) चटका (२) वकः (३) पिकः (४) मयूरः

ग. .... राष्ट्रियं पुष्पम् अस्ति।
(१) पाटलम् (२) कमलम् (३) कुन्दपुष्पम् (४) मालिनी

- राजकीय पशु– बारहसिंगा
- राजकीय पक्षी– सारस
- राजकीय पुष्प– पलाश
- राजकीय चिह्न– दो मछलियाँ एवं तीर कमान

२. छोटे से बड़े गोले की तरफ जाते हुए वाक्य बनाइए–

क. राष्ट्रियः पशुः व्याघ्रः।
ख ——— ——— ———।
ग. ——— ——— ———।
घ. ——— ——— ———।

३. राष्ट्रध्वज का चित्र बनाकर रंग भरिए।

४. सिक्कों/नोटों पर छपे हुए राष्ट्रीय प्रतीकों को देखकर उनके नाम लिखिए।

प्रतीकानि = चिह्न, **त्रिवर्णम्** = तीन रंगों का **चत्वारः** = चार।

शिक्षण संकेत
- बच्चों से राष्ट्रीय– प्रतीकों की विशेषताओं के विषय में चर्चा करें।

सुभाषितानि

विद्यां सदा पठामि,
लेखं सदा लिखामि।
सर्वान् च प्राणिनोऽहं,
स्नेहेन पालयामि।।

सत्यं वदामि नित्यं,
धर्मं चरामि नित्यं।
कुत्रापि नैव पीडां,
कस्याप्यहं करोमि।।

जनकं नमामि नित्यं,
विद्यागुरुं सदैव।
अतिथिं नमामि गेहे,
जननीं च सर्वदैव।।

शिक्षण संकेत

- कविता का सस्वर गान करें एवं बच्चों से कराएँ।

समये लघुः अपि सहायकः भवति।

अभ्यास

१. पढ़ी गई कहानी को हाव–भाव के साथ सुनाइए।

१. 'शेते' का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए–

क. गजः ...शेते...... ।   ख. बालः ....।
ग. अजा ....।   घ. कुक्करः ....।

२. वाक्य बनाइए –

जैसे– सिंहः ..जाले.बद्धः.... ।
क. मत्स्यः ....।   ख. कपोतः ....।
ग. मृगः ....।   घ. काकः ....।

३. प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के एक शब्द में लिखिए–

क. कः सिंहस्य शरीरम् आरोहति ?   ख. सिंहः कथं गर्जति?
ग. जाले कः बद्धः ?   घ. जालं कः कृन्तति ?

४. उपयुक्त शब्दों को चुनकर कहानी को पूरा कीजिए–

गृहस्य काकः प्रस्तरखण्डान् पिबति घटं

एकः——————पिपासितः अस्ति। सः——————————उपरि गच्छति। तत्र एकं——————पश्यति। घटे किञ्चित् अल्पं जलम् अस्ति। सः एकं उपायं करोति। घटे——————————क्षिपति। जलं उपरि आगच्छति। काकः जलं——————संतोषेण च गच्छति।

लघुः = छोटा **शेते** = सो रहा है **कूर्दति** = कूदता है **मुञ्च** = छोड़ दीजिए
कालान्तरे = कुछ समय बाद **बद्धः** = बँध गया **शृणोति** = सुनता है
बिलात् = बिल से **कृन्तामि** = कुतर देता हूँ/काट देता हूँ **सिंहः** = शेर।

शिक्षण संकेत
- बच्चों से अन्य शिक्षाप्रद कहानियाँ संकलित करवाएँ एवं सुनें।
- वन/वन्य जीवों के महत्व को बताते हुए उनके संरक्षण से संबंधित पोस्टर बनवाएँ।